C.B.S.E

कक्षा - 10

हिंदी A – 2013

(Outside Delhi)

[Summative Assessment II (CCE)]

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 90**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं-क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है। समाचार-पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। ऐसा लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है । हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस समय सुखी वही है, जो कुछ नहीं करता; जो भी कुछ करेगा, उसमें दोष खोजने लगेंगे । उसके सारे गुण भुला दिये जायेंगे और दोषों को बढा--चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिलकुल ही नहीं । यह चिन्ता का विषय है ।

तिलक और गांधी के सपनों का भारतवर्ष क्या यही है ? विवेकानन्द और रामतीर्थ का आध्यात्मिक ऊँचाई वाला भारतवर्ष कहाँ है रवीन्द्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान, सुसंस्कृत और सभ्य भारतवर्ष पतन के किस गहन गर्त में जा गिरा है ? आर्य और द्रविड, हिन्दू और आध्यात्मिक, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलनभूमि 'महामानव समुद्र' क्या सूख ही गया है ?

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ और फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल हरे हैं । ईमानदारी को मुर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है। किन्तु ऐसी दशा से हमारा उध्दार जीवन- मूल्यों में आस्था रखने से ही होगा। ऐसी स्थिति में हताश हो जाना ठीक नहीं है ।

1. मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है वाक्य का आशय है-

(क) लेखक के मन में पछतावा होता है

(ख) लेखक का मन दुखी हो जाता है

(ग) लेखक को अपराध भाव की अनुभूति होती है।

(घ) लेखक का हृदय देश की दुर्दशा से चिन्तित हो उठता है।

2. कौनसी स्थिति चिन्ता का विषय है -

(क) व्यक्ति के गुणों की उपेक्षा और दोषों पर अधिक ध्यान

(ख) व्यक्ति का कर्मशीलता के प्रति उपेक्षा का भाव

(ग) व्यक्ति की ईमानदारी की उपेक्षा

(घ) निठल्ले लोगों की सुखमयता

3. महामानव समुद्र क्या /सूख ही गया का अभिप्राय है-

(क) विशाल सागर जलहीन हो गया

(ख) समुद्र का विस्तार सीमीत हो गया

(ग) आदर्शों का समन्वय और सदभाव लुप्त हो गया

(घ) भारत का जलनिधी रत्नहीन हो गया

4. इस उथल-पुथल में देशवासियों के लिए संदेश है-

(क) ईमानदारी और मेहनत से जीविका चलाना

(ख) झूठ और फरेब से नफरत करना

(ग) जीवन-मूल्यों कें आस्था रखना

(घ) देश की समृद्धि के लिए कार्य करना

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है -

(क) समाज में व्याप्त अनैतिकता

(ख) महान महर्षियों का देश भारत

(ग) जीवन-मूल्यों में आस्था

(घ) निराशाजनक स्थिति और हमारा देश

प्र.2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए - 1 x 5 = 5

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया । उसकी दृषिट में मनुष्य के भतर जो आन्तरिक तत्त्व सिथर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रुप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन और बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड देना, बहुत निकृष्ट आचरण है । भारतवर्षने उन्हें सदा संयम के बन्धन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है ।

इस देश के कोटि-कोटि दरिद्र जनों की हीन अवस्था को सुधारने के लिए अनेक कायदे-कानून बनाए गए । जिन लोगों को इन्हें कार्यानिवत करने का काम सौंपा गया वे अपने कर्तव्यों को भूलकर अपनी सुख-सुविधा की ओर ज्यादा ध्यान देने लगे । वे लक्ष्य की बात भूल गए और लोभ, मोह जैसे विकारों में फँसकर रह गए । आदर्श उनके लिए मजाक का विषय बन गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है-लोग लोभ और मोह में पड़कर अनर्थ कर रहे है, इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रुप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे है। अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है । महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी।

1. लेखक के मतानुसार निकृष्ट आचरण का स्वरुप है-

(क) व्यक्ति का दुश्चरित्र होना और आदर्शों से पतन

(ख) स्वार्थ हेतू दूसरों के कार्यों में बाधा

(ग) मन और बुद्धि पर लोभ-मोह आदि का नियंत्रण

(घ) कानून के उल्लंघन द्वारा सामाजिक अव्यवस्था

2. लोभ-मोह आदि विकारों के नियंत्रण का साधन है-

(क) धर्म

(ख) कानून

(ग) संयम

(घ) सत्संगति

3. करोड़ों गरीबों की दशा सुधारने के प्रयास सफल नहीं हुए क्योंकि लागू करने वाले-

(क) स्वार्थवश अपना कर्त्तव्य भूल गए

(ख) काम पूरा न कर सके

(ग) सफलता के प्रति शंकालु हो गए

(घ) पर्याप्त धन न होने से असफल हो गए

4. आदर्श एवं संयम को दकियानूसी मानने का दुष्परिणाम है-

(क) देश में फैली अराजकता

(ख) समाज में व्याप्त नैतिकता

(ग) लोभ और मोह से हो रहे अनर्थ

(घ) भ्रष्ट साधनों से अर्जित धन

5. 'दकियानूसी' का पर्यायवाची है-

(क) भाग्यवादी

(ख) रूढ़िवादी

(ग) साम्यवादी

(घ) विस्तारवादी

प्र. 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

बिन बैसाखी अपनी शर्तों पर, मैं मदमस्त चला ।।
सब्जबाग को दिखा-दिखा
दुनिया रह-रह मुसकाई ।
कंचन और कामिनी ने भी
अपनी छटा दिखाई ।
सतरंगे जग के साँच में, मैं न कभी ढला ।।
चिनगारी पर चलते-चलते
रुका-झुका ना पल-छिन ।
गिरे हुओं को रहा उठाता
गले लगाता अनुदिन।
हालाहल पीते-पीते ही मैंजीवन-भर चला
कितने बढे-चढे द्रुत चलकर
शैलशिखर श्रृंगों पर ।
कितने अपनी लाश लिए
फिरते अपने कंधों पर ।
सबकी अपनी अलग नियति है, है जीने की कला ।।
आँधी से जूझा करना ही
बस आता है मुझको ।

पीडाओं के संग-संग जीना
भाता है बस मुझको ।
मैं तटस्थ, जो भी जग समझे कह ले बुरा-भला ।।

1. सतरंगी संसार कवि को मोहित न कर सका, क्योंकि-
   (क) सांसारिकता के प्रति उसका लगाव नहीं है
   (ख) मोहकता उसको मोहने में समर्थ नहीं है
   (ग) वह सांसरिक मोह को तुच्छ समझता है
   (घ) उसको केवल अपने सिध्दान्तों से ही प्यार है

2. कवि को जीवन में क्या रास नहीं आया
   (क) कष्टों से भरे मार्ग पर चलना
   (ख) दीनों-दलितों का उध्दार करना
   (ग) जीवन के सुखमय क्षणों को भोगना
   (घ) आजीवन वेदनाओं के विष का पान करना

3. कवि का विश्वास है कि हरेक का भाग्य अलग-अलग होती है, इसीलिए संसार में-
   (क) कोई धनिक है तो कोई धनहीन
   (ख) कोई उन्नति करता है तो कोई निराश जीवन जीता है
   (ग) कोई जीवन में सुख भोगता है तो कोई दुख
   (घ) कोई सम्पन्न होकर भी सुखों से वंचित रहता है

4. कवि ने जीवन बिताया है-
   (क) कष्टों से जुड़कर और पीडाओं को चूमकर
   (ख) दुखियों के दुख दूर कर और निराश्रितों को आश्रय देकर
   (ग) डूबते को बचाकर और भूखों को भोजन देकर
   (घ) क्रानित का बिगुल बजाकर और मातृभूमि को जीवन देकर

5. कितने बढ़े-चढ़े द्रुत चलकर शैल-शिखर श्रृंगों पर अलंकार है -

(क) उपमा
(ख) अनुप्रास
(ग) रुपक
(घ) यमक

प्र. 4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

जब कभी मच्छेरे को फेंका हुआ
फैला जाल
समेटते हुए देखता हूँ
तो अपना सिमटता हुआ
स्व याद हो आता है -
जो कभी समाज, गाँव और
परिवार के वृहत्तर परिधि में
समाहित था
सर्व की परिभाषा बनकर,
और अब केन्द्रीत हो
गया हूँ मात्र बिन्दु में।
जब कभी अनेक फूलों पर,
बैठी, पराग को समेटती
मधुमकिखयों को देखता हूँ
तो मुझे अपने पूर्वजों की
याद हो आती है,
जो कभी फूलों को रंग, जाति, वर्ग
अथवा कबीलों में नहीं बाँटते थे
और समझते रहे थे कि
देश एक बाग है

और मधु-मनुष्यता
जिससे जीने की अपेक्षा होती है ।
किन्तु अब
बाग और मनुष्यता
शिलालेखों में जकड़ गई है
मात्र संग्रहालय की जड़ वस्तुएँ ।

1. कविता में 'स्व' शब्द का आशय है-
   (क) धन, संपत्ति, दौलत
   (ख) अपना, अपनापन, लगाव
   (ग) कल्याण, हितभावना, भलाई
   (घ) प्रशासन, शासन, अनुशासन

2. किसी समय में कवि की 'स्व' की सीमा थी-
   (क) अपने माता-पिता तक
   (ख) अपनी पत्नी और बच्चों तक
   (ग) पूरे समाज और गाँव तक
   (घ) केवल घनिष्ठ मित्रों तक

3. पुराने समय में कवि के पूर्वज विश्वास करते थे-
   (क) रंग के आधार पर देशवासियों के विभाजन में
   (ख) जाति के आधार पर देशवासियों के वर्गीकरण में
   (ग) भाषा एवं धर्म के आधार पर देश के बँटवारे में
   (घ) भिन्न वर्गों एवं जातियों की एकतस में

4. देश को एक बाग माना गया है क्योंकि यहाँ विविध प्रकार के -
   (क) फूल होते हैं
   (ख) तितलियाँ होती हैं
   (ग) मनुष्यता का स्वरुप संकीर्ण हो गया है
   (घ) भिन्न वर्गों एवं जातियों की एकता में

5. काव्यांश का संदेश है-

(क) मनुष्यता की परिभाषा बदल गई है

(ख) मनुष्यता संगठन में नहीं विघटन में देखी जाती है

(ग) मनुष्यता का स्वरुप संकीर्ण हो गया है

(घ) मनुष्यता संगठन में नहीं विघटन में देखी जाती है

खंड - 'ख'

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांक्ति पदों का परिचय दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) लखनऊ स्टेशन से गाडी छूट रही थी ।

उत्तर :

(ख) खीरे की पनियाती फाँकें बहुत स्वादिष्ट थीं ।

उत्तर :

(ग) तुम्हें भागवत ध्यान से पढ़नी चाहिए ।

उत्तर :

(घ) बिसिमल्ला खाँ इस मंगलध्वनि के नायक थे ।

उत्तर :

(ङ) अरे, तुम भी आ गए !

उत्तर :

प्र. 6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) मैंने सुना है कि तुम अपनी कक्षा में प्रथम आए हो- वाक्य का प्रकार बताइए।

उत्तर :

(ख) वह स्टेशन पहुँचा और हम वहाँ से चल दिए-यह किस प्रकार का वाक्य है ?

उत्तर :

(ग) उन्होंने जैसे ही शहनाई बजानी शुरु की, सब उसकी ध्वनि में मग्न हो गए-संयुक्त वाक्य में बदलिए।

उत्तर :

(घ) मेरे पास एक किताब है जो बहुत रुचिकर है-सरल वाक्य में बदलिए।

उत्तर :

(ङ) वह बहुत विनम्र है और सर्वत्र सम्मान प्राप्त करती है-मिश्र वाक्य मे रुपान्तरित कीजिए।

उत्तर :

प्र. 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) मालिक झोली से सुर का फल निकालकर मेरी ओर उछालेगा-कर्मवाच्य में बदलिए।

उत्तर :

(ख) घायल होने के कारण वह उड़ नहीं पाया- भाववाच्य में बदलिए।

उत्तर :

(ग) मोहिनी क्षण भर के लिए भी शान्त नहीं बैठती है- भाववाच्य में बदलिए।

उत्तर :

(घ) श्रध्दालु काशीवासियों द्वारा इस सभा का आयोजन किया जाता है- कर्तृवाच्य में बदलिए।

उत्तर :

(ड) उन्होंने दोनों भाइयों को पढ़ाया-कर्मवाच्य में बदलिए।

उत्तर :

प्र. 8. निम्नाक्ति काव्यांशो में प्रयुक्त अलंकारो के नामों का उल्लेख कीजिए:

1 x 5 = 5

(क) क्यों सहे संसार हाहाकार।

उत्तर :

(ख) आँख लगती है तब आँख लगती ही नहीं।

उत्तर :

(ग) नील गगन-सा शान्त हृदय था हरे रहा।

उत्तर :

(घ) नीरजनयन भावते जी के।

उत्तर :

(ड) देखा यमुना का मृदुल हास।

उत्तर :

प्र.9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

उस समय तक हमारे परिवार में लड़की के विवाह के लिए अनिवार्य योग्यता थी-उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक। सन 44 में सुशीला ने यह योग्यता प्राप्त की और शादी कर कोलकाता चली गई। दोनों बडेभाई भी आगे पढाई के लिए बाहर चले गए। इन लोगों की छत्र-छाया के हटते ही पहली बार मुझे नए सिरे से अपने वजूद का एहसास हुआ। पिताजी का ध्यान भी पहली बार मुझ पर केन्द्रित हुआ। लड़कियों को जिस उम्र में स्कूली शिक्षा के साथ-साथ सुघड गृहिणी और कुशल पाक-शास्त्री बनने के नुस्खे जुटाए जाते थे,पिताजी का आग्रह रहता था कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ। रसोई को वे भटियारखाना कहते थे और उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था।

1. लड़की की वैवाहिक योग्यता से सिध्द होती है, उस परिवार की :
   (क) स्वतंत्र विचारधारा
   (ख) परम्परावादी मान्यता
   (ग) पाश्चात्य विचारधारा
   (घ) अत्याधुनिक सोच

2. बडे -भाई के परिवार से जाने के बाद :
   (क) परिवार में लेखिका का महत्व बढ गया
   (ख) माता-पिता से अधिक प्यार मिलने लगा
   (ग) लेखिका को अपने अस्तित्व का बोध हुआ
   (घ) लेखिका को पाक-शास्त्र पढा़या जाने लगा

3. लेखिका के पाक-शास्त्री बनने के विषय में पिताजी का मानना था:
   (क) पाकक्रिया की कुशलता से लड़की सुघड गृहिणी बनती है
   (ख) विवाह के उपरान्त ससुराल में उसकी सराहना होजी है
   (ग) उसका गृहस्थ सदा सुखी और स्वस्थ रहता है
   (घ) रसोई के काम से लडकी की योग्यता और प्रतिमा कुंद हो जाती है

4. पिताजी का आग्रह था कि में रसोई से दूर ही रहूँ- वाक्य प्रकार है:
   (क) सरल
   (ख) संयुक्त
   (ग) मिश्र
   (घ) साधरण

5. इन लोगों की छत्रछाया हटते ही कथन में इन लोगों से तात्पर्य है :
   (क) क्षमता और प्रतिभा
   (ख) भाई-बहिन
   (ग) माता-पिता
   (घ) सखी-सहेली

अथवा

मसलन बिसिमल्ला खाँ की उम्र अभी 14 साल है! वही काशी है! वही पुराना बालाजी का मंदिर जहाँ बिस्मिला खाँ को नौबतखाने रियाज के लिए जाना पड़ता है! मगर एक रास्ता है बालाजी मंदिर तक जाने का! यह रास्ता रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर जाता है! इस रास्ते से अमीरुददीन को जाना अच्छा लगता है! इस रास्ते न जाने क्तिने तरह के बोल-बनाव, कभी ठुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा के मार्फत डयोढी तक पहुँचते रहते हैं! रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुददीन को खुशी मिलती है! अपने ढेरों साक्षात्कारों में बिस्मिला खाँ साहब ने स्वीकार किया है कि उन्हें अपने जीवन के आरम्भिक दिनों में संगीत के प्रति आसक्ति इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली है! एक प्रकार से उनकी अबोध उम्र में

अनुभव की स्लेट पर संगीत प्रेरणा की वर्णमाला रसूलनबाई और बतूलनगाई ने उकेरी है!

1. बिस्मिला खाँ का मूल नाम है-
   (क) सादिक हुसैन
   (ख) शम्सुददीन
   (ग) अमीरुददीन
   (घ) अलीबख्श

2. बिसिमल्ला खाँ को बालाजी मंदिर जाने के लिए एक खास रास्ता ही क्यों पसंद था ?
   (क) वह रास्ता छोटा था
   (ख) उस रास्ते पर उनके मित्रों के घर थे
   (ग) उस रास्ते पर दो बहिनों का गायन सुनने को मिलता था
   (घ) उन्हें ठुमरी, टप्पा, दादरा पसंद था!

3. कैसे कहा जा सकता है कि उन्हें संगीत की प्रेरणा इन दोनों बहिनों से मिली ?
   (क) इनका गायन बहुत उत्कृष्ट था
   (ख) यह गायन प्राय: उन्हें सुनने को मिलता था
   (ग) इस गायन के प्रति आसक्ति को उन्होनें स्वीकार किया है
   (घ) इस गायन में एक विशेष मोहकता थी!

4. संगीत का रुप नहीं है-
   (क) शहनाई
   (ख) टप्पा
   (ग) ठुमरी
   (घ) दादरा

5. 'रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुददीन को खुशी मिलती है'- वाक्य का प्रकार है -
   (क) सरल
   (ख) संयुक्त
   (ग) मिश्र
   (घ) साधरण

प्र. 10. स्त्री शिक्षा के विषय में आप महावीर प्रसाद द्विवेदी के विचारों से कहाँ तक सहमत है ? उचित तर्क देकर अपने विचारों की पुष्टि कीजिए : 4

उत्तर :

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 3 = 6

(क) आप कैसे कह सकते हैं कि बिसिमल्ला खाँ एक सच्चे और अच्छे इन्सान थे ?

उत्तर :

(ख) आग के आविष्कार के पीछे मानव की कौन-सी प्रेरणा रही होगी अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

(ग) देश की आजादी के संघर्ष में मन्नू भण्डारी की सक्रिय भागीदारी को लेकर पिताजी के साथ उनके टकराव की स्थिति को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

प्र. 12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मरचारी आति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रिय कुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महि देवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहु भुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

(क) काव्यांश में किसका किसके प्रति संबोधन है

उत्तर :

(ख) परशुराम की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

(ग) 'परशु' की क्या विशेषता थी लिखिए

उत्तर :

(घ) अलंकार बताइए-भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्हीं

उत्तर :

(ड) आशय स्पष्ट कीजीए 'केवल मुनि जड जानाहि मोही।'
उत्तर :

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) माँ बिटिया को किस अवसर पर यह सीख दे रही है और क्यों ?
उत्तर :

(ख) बिटिया को चेहरे पर रीझने के लिए मना क्यों किया जा रहा है ?
उत्तर :

(ग) आग के विषय में माँ के कथन का क्या अभिप्राय है ?
उत्तर :

(घ) माँ ने आभूषणों को स्त्री जीवन के बंधन क्यों कहा है ?

उत्तर :

____

____

(ड) लड़की जैसी दिखाई मत देना कथन का आशय समझाइए।

उत्तर :

____

____

प्र.13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 5 = 10

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर श्रीराम के स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

____

____

____

____

(ख) 'छाया मत छूना' कविता में दुख के क्या कारण बताए गए है ?

उत्तर :

____

____

____

____

____

(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को अंतिम पूँजी क्यों कहा है ?

उत्तर :

(घ) 'संगतकार' कविता में संगतकार की मनुष्यता को कवि ने कैसे स्पष्ट किया है ?

उत्तर :

(ङ) दिखावा प्रधान आधुनिक समाज में क्या संगतकार जैसे व्यक्ति की कोई उपयोगिता है इस विषय में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर :

प्र. 14. साना साना हाथ जोडि पाठ में देश की सीमा पर तैनात फौजियों की चर्चा की गई है। लिखिए कि अपने उत्तरदायित्व के निर्वाह में सैनिक ईमानदारी, समर्पण, अनुशासन आदि जीवनमूल्यों का निर्वाह किस प्रकार करते है ? 4

उत्तर :

प्र.15. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2 x 3 = 6

(क) मैं क्यों लिखता हूँ के लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

उत्तर :

(ख) साना साना हाथ जोडि पाठ में प्रदूषण के कारण स्नोफाल की कमी का जिक्र है। प्रदूषण को नियंत्रित करने के किन्ही दो उपायों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

(ग) भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में दुलारी और टन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार किया ?

उत्तर :

(घ) साना साना हाथ जोडि यात्रा वृत्तान्त में वर्णित ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको बहुत प्रभावित किया हो।

उत्तर :

खंड - 'घ'

प्र. 16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) अविस्मरणीय घटना

- कब और कहाँ
- आपकी भूमिका
- आप पर प्रभाव

(ख) मेरे सपनों का जीवन

- महत्त्वाकांक्षा
- रुचि का महत्त्व
- लक्ष्य निर्धारण

(ग) ओलम्पिक खेलों में भारत

- खेलों का महत्त्व
- विजेता खिलाडी

प्र. 17. विदेश यात्रा में सभी प्रकार की व्यवस्था करने वाले मित्र के प्रति आभार की अभिव्यक्ति करते हुए एक पत्र लिखिए: 5

अथवा

विद्यालय में दसवीं कक्षा की परीक्षा से पूर्व विभिन्न विषयों की अच्छी व्यवस्था करने के लिए प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का एक पत्र लिखिए।

Set -II

निम्न प्रश्नों के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्न Set -I में पूछे गए है!

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) धन की लालसा उसे परेशान कर रही है ।

उत्तर :

(ख) मैं जब वहाँ पहुँचा तो वर्षा हो रही थी ।

उत्तर :

(ग) उसके अनेक मित्र वहाँ उपस्तिथ थे ।

उत्तर :

(घ) अहा! आज तो बढ़िया खाना मिलेगा ।

उत्तर :

(ड) मैं जयपुर सवेरे पहुँचुंगा ।

उत्तर :

प्र.6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) मैं आपको फोन करूँगा या पत्र लिखूँ- वाक्य का प्रकार बताइए ।

उत्तर :

(ख) वह सवेरे उठते ही नहा -धोकर मन्दिर चला जाता है- मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ग) वह कार तेजी से आकर खंभे से टकरा गई- संयुक्त वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(घ) वह बहुत प्रतिभाशाली है और पुरस्कार प्राप्त करके ही रहेगा-मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ड) मेरे पास एक तरकीब है जो आपकी समस्या का समाधान कर सकती है- सरल वाक्य में रुपान्तरित कीजिए ।

उत्तर :

प्र.7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1 x 5 = 5

(क) वे बनाया हुआ रिश्ता तोड़ते नहीं थे- कर्म वाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ख) वह रो भी तो नहीं सकता है- भाव वाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ग) मेरे द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था- कर्तृवाच्य में बदलिए । उत्तर :

(घ) नवाब साहब ने बहुत यत्न से खीरा काटा-कर्म वाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ड) चोट के कारण वह बेचारा उठ भी नहीं सकता-भाव वाच्य बनाइए ।

उत्तर :

प्र.8. निम्नंक्ति काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचान कर लिखिए : 1x5= 5

(क) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल-थल में ।

उत्तर :

(ख) बापू को कर नित दूर-दूर, हर बरस दिन आता है ।

उत्तर :

(ग) निकल रही थी मर्म वेदना, करुणा विकल कहानी-सी ।

उत्तर :

(घ) ऊँचा होता ताड का वृक्ष, मानो छूने अंबरतल को ।

उत्तर :

(ड) उसके बिखरे वैभव पर जब रोती थी उजियाली ।

उत्तर :

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 3 = 6

(क) मन्नू भण्डारी के पिता के व्यक्तितत्व में संवेदनशीलता भी थी और अहंवादिता भी-उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

उत्तर :

(ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध में उदधृत भारत की सुशिक्षित स्त्रियों में से किन्हीं तीन के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर :

(ग) कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।

उत्तर :

Set – III

निम्न प्रश्नों के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्न Set-I तथा Set-II में पूछे गए हैं।

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांक्ति पदों का परिचय दीजिए: 1 x 5 = 5

(क) <u>हम</u> उस कस्बे से गुजरे थे।

उत्तर :

(ख) <u>वसन्त</u> ऋतु सुहावनी होती है ।

उत्तर :

(ग) शहर <u>पूरी तरह</u> डूब गया है ।

उत्तर :

(घ) पानवाला खुशमिजाज आदमी था ।

उत्तर :

(ड) तुम सदा समय का सदुपयोग करते हो।

उत्तर :

प्र.6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) वह इस दौड़ में सफल नहीं होगा क्योंकि वह आलसी है - वाक्य का प्रकार बताइए ।

उत्तर :

(ख) तुम उस बाजार में जाना जहाँ पुस्तकें मिलती हैं - वाक्य का प्रकार लिखिए ।

उत्तर :

(ग) जो छात्र अनुशासित होते हैं वे सब अध्यापकों के प्रिय होते हैं - सरल वाक्य में रुपान्तरण कीजिए ।

उत्तर :

(घ) बेईमानी के पैसे से व्यक्ति में दुर्गण पैदा हो ही जाते हैं - मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ड) नौकरानी आई। अपना काम किया । वह चली गई - संयुक्त वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

प्र.7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) पान वाले ने यह रहस्य बता दिया - कर्मवाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ख) यह कौम बिकने के मौके ढूँढती है - कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए ।

उत्तर :

(ग) आइए उस बेंच पर बैठें - भाववाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(घ) उनसे संस्कृत नहीं बोली जाती थी - कर्मवाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ङ) तुम सारी रात कैसे जागोगे? - भाववाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

प्र.8. निम्नांकित काव्यांशों में प्रयुक्त् अलंकारो को पहचानकर लिखिए : 1 x 5 = 5

(क) यवन को दिया दया का दान ।

उत्तर :

(ख) निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है ।

उत्तर :

(ग) जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं ।

उत्तर :

(घ) मैया मैं तो चन्द्र खिलौना लैहों ।

उत्तर :

(ड) देखूँ उसे मैं नित बार-बार, मानो मिला मित्र मुझे पुराना ।

उत्तर :

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 3 = 6

(क) मन्नू भण्डारी के जीवन में शीला अग्रवाल के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर :

(ख) संस्कृति पाठ के लेखक की दृष्टि में भूखे को भोजन देने वाले, श्रमिकों और पीडित मानवता के उद्धारक भी संस्कृत व्यक्ति हैं । इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं - स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर :

(ग) बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की ऐसी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिन्होंने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया है।

उत्तर :

C.B.S.E

कक्षा - 10

हिंदी A – 2013

(Outside Delhi)

[Summative Assessment II (CCE)]

समय: 3 घंटे पूर्णांक : 90

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं-क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

उत्तरकुंजी

खंड - क

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है। समाचार-पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। ऐसा लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है । हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस समय सुखी वही है, जो कुछ नहीं करता; जो भी कुछ करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे । उसके सारे गुण भुला दिये जायेंगे और दोषों को बढा-चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिलकुल ही नहीं । यह चिन्ता का विषय है ।

तिलक और गांधी के सपनों का भारतवर्ष क्या यही है? विवेकानन्द और रामतीर्थ का आध्यात्मिक ऊँचाई वाला भारतवर्ष कहाँ है रवीन्द्रनाथ ठाकुर

और मदनमोहन मालवीय का महान, सुसंस्कृत और सभ्य भारतवर्ष पतन के किस गहन गर्त में जा गिरा है? आर्य और द्रविड, हिन्दू और आध्यात्मिक, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलनभूमि 'महामानव समुद्र' क्या सूख ही गया है?

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ और फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल हरे हैं । ईमानदारी को मुर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है। किन्तु ऐसी दशा से हमारा उध्दार जीवन-मूल्यों में आस्था रखने से ही होगा। ऐसी स्थिति में हताश हो जाना ठीक नहीं है ।

1. मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है वाक्य का आशय है-
   (क) लेखक के मन में पछतावा होता है
   (ख) लेखक का मन दुखी हो जाता है
   (ग) लेखक को अपराध भाव की अनुभूति होती है।
   (घ) लेखक का हृदय देश की दुर्दशा से चिन्तित हो उठता है।

2. कौनसी स्थिति चिन्ता का विषय है -
   (क) व्यक्ति के गुणों की उपेक्षा और दोषों पर अधिक ध्यान
   (ख) व्यक्ति का कर्मशीलता के प्रति उपेक्षा का भाव
   (ग) व्यक्ति की ईमानदारी की उपेक्षा
   (घ) निठल्ले लोगों की सुखमयता

3. महामानव समुद्र क्या /सूख ही गया का अभिप्राय है-
   (क) विशाल सागर जलहीन हो गया
   (ख) समुद्र का विस्तार सीमीत हो गया
   (ग) आदर्शों का समन्वय और सदभाव लुप्त हो गया
   (घ) भारत का जलनिधी रत्नहीन हो गया

4. इस उथल-पुथल में देशवासियों के लिए संदेश है-
   (क) ईमानदारी और मेहनत से जीविका चलाना
   (ख) झूठ और फरेब से नफरत करना
   (ग) <u>जीवन-मूल्यों कें आस्था रखना</u>
   (घ) देश की समृद्धि के लिए कार्य करना

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है -
   (क) समाज में व्याप्त अनैतिकता
   (ख) महान महर्षियों का देश भारत
   (ग) <u>जीवन-मूल्यों में आस्था</u>
   (घ) निराशाजनक स्थिति और हमारा देश

प्र.2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए - 1 x 5 = 5

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया। उसकी दृषिट में मनुष्य के भतर जो आन्तरिक तत्त्व सिथर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रुप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन और बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड देना, बहुत निकृष्ट आचरण है । भारतवर्षने उन्हें सदा संयम के बन्धन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है ।

इस देश के कोटि-कोटि दरिद्र जनों की हीन अवस्था को सुधारने के लिए अनेक कायदे-कानून बनाए गए । जिन लोगों को इन्हें कार्यानिवत करने का काम सौंपा गया वे अपने कर्तव्यों को भूलकर अपनी सुख-सुविधा की ओर ज्यादा ध्यान देने लगे । वे लक्ष्य की बात भूल गए और लोभ, मोह जैसे विकारों में फँसकर रह गए। आदर्श उनके लिए मजाक का विषय बन गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है-लोग लोभ और मोह में पड़कर अनर्थ कर रहे है, इससे भारतवर्ष के

पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रुप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे है। अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है । महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी।

1. लेखक के मतानुसार निकृष्ट आचरण का स्वरुप है-
   (क) व्यक्ति का दुश्चरित्र होना और आदर्शों से पतन
   (ख) स्वार्थ हेतू दूसरों के कार्यों में बाधा
   (ग) मन और बुद्धि पर लोभ-मोह आदि का नियंत्रण
   (घ) कानून के उल्लंघन द्वारा सामाजिक अव्यवस्था

2. लोभ-मोह आदि विकारों के नियंत्रण का साधन है-
   (क) धर्म
   (ख) कानून
   (ग) संयम
   (घ) सत्संगति

3. करोड़ों गरीबों की दशा सुधारने के प्रयास सफल नहीं हुए क्योंकि लागू करने वाले-
   (क) स्वार्थवश अपना कर्त्तव्य भूल गए
   (ख) काम पूरा न कर सके
   (ग) सफलता के प्रति शंकालु हो गए
   (घ) पर्याप्त धन न होने से असफल हो गए

4. आदर्श एवं संयम को दकियानूसी मानने का दुष्परिणाम है-
   (क) देश में फैली अराजकता
   (ख) समाज में व्याप्त नैतिकता
   (ग) लोभ और मोह से हो रहे अनर्थ
   (घ) भ्रष्ट साधनों से अर्जित धन

5. 'दकियानूसी' का पर्यायवाची है-
   (क) भाग्यवादी
   (ख) रूढ़िवादी
   (ग) साम्यवादी
   (घ) विस्तारवादी

प्र. 3 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

बिन बैसाखी अपनी शर्तों पर, मैं मदमस्त चला ।।
सब्जबाग को दिखा-दिखा
दुनिया रह-रह मुसकाई ।
कंचन और कामिनी ने भी
अपनी छटा दिखाई ।
सतरंगे जग के साँच में, मैं न कभी ढला ।।
चिनगारी पर चलते-चलते
रुका-झुका ना पल-छिन ।
गिरे हुओं को रहा उठाता
गले लगाता अनुदिन।
हालाहल पीते-पीते ही मैंजीवन-भर चला
क्तिने बढे-चढे द्रुत चलकर
शैलशिखर श्रृंगों पर ।
क्तिने अपनी लाश लिए
फिरते अपने कंधों पर ।
सबकी अपनी अलग नियति है, है जीने की कला ।।
आँधी से जूझा करना ही
बस आता है मुझको ।
पीडाओं के संग-संग जीना

भाता है बस मुझको ।
मैं तटस्थ, जो भी जग समझे कह ले बुरा-भला ।।

1. सतरंगी संसार कवि को मोहित न कर सका, क्योंकि-
   (क) सांसारिकता के प्रति उसका लगाव नहीं है
   (ख) मोहकता उसको मोहने में समर्थ नहीं है
   (ग) वह सांसरिक मोह को तुच्छ समझता है
   (घ) उसको केवल अपने सिध्दान्तों से ही प्यार है

2. कवि को जीवन में क्या रास नहीं आया
   (क) कष्टों से भरे मार्ग पर चलना
   (ख) दीनों-दलितों का उध्दार करना
   (ग) जीवन के सुखमय क्षणों को भोगना
   (घ) आजीवन वेदनाओं के विष का पान करना

3. कवि का विश्वास है कि हरेक का भाग्य अलग-अलग होती है, इसीलिए संसार में-
   (क) कोई धनिक है तो कोई धनहीन
   (ख) कोई उन्नति करता है तो कोई निराश जीवन जीता है
   (ग) कोई जीवन में सुख भोगता है तो कोई दुख
   (घ) कोई सम्पन्न होकर भी सुखों से वंचित रहता है

4. कवि ने जीवन बिताया है-
   (क) कष्टों से जुड़कर और पीडाओं को चूमकर
   (ख) दुखियों के दुख दूर कर और निराश्रितों को आश्रय देकर
   (ग) डूबते को बचाकर और भूखों को भोजन देकर
   (घ) क्रानित का बिगुल बजाकर और मातृभूमि को जीवन देकर

5. कितने बढ़े-चढ़े द्रुत चलकर शैल-शिखर श्रृंगों पर अलंकार है -
   (क) उपमा
   (ख) अनुप्रास
   (ग) रुपक
   (घ) यमक

प्र. 4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

जब कभी मच्छेरे को फेंका हुआ
फैला जाल
समेटते हुए देखता हूँ
तो अपना सिमटता हुआ
स्व याद हो आता है -
जो कभी समाज, गाँव और
परिवार के वृहत्तर परिधि में
समाहित था
सर्व की परिभाषा बनकर,
और अब केन्द्रीत हो
गया हूँ मात्र बिन्दु में।
जब कभी अनेक फूलों पर,
बैठी, पराग को समेटती
मधुमकिखयों को देखता हूँ
तो मुझे अपने पूर्वजों की
याद हो आती है,
जो कभी फूलों को रंग, जाति, वर्ग
अथवा कबीलों में नहीं बाँटते थे
और समझते रहे थे कि

देश एक बाग है
और मधु-मनुष्यता
जिससे जीने की अपेक्षा होती है ।
किन्तु अब
बाग और मनुष्यता
शिलालेखों में जकड़ गई है
मात्र संग्रहालय की जड़ वस्तुएँ ।

1. कविता में 'स्व' शब्द का आशय है-
   (क) धन, संपत्ति, दौलत
   (ख) अपना, अपनापन, लगाव
   (ग) कल्याण, हितभावना, भलाई
   (घ) प्रशासन, शासन, अनुशासन

2. किसी समय में कवि की 'स्व' की सीमा थी-
   (क) अपने माता-पिता तक
   (ख) अपनी पत्नी और बच्चों तक
   (ग) पूरे समाज और गाँव तक
   (घ) केवल घनिष्ठ मित्रों तक

3. पुराने समय में कवि के पूर्वज विश्वास करते थे-
   (क) रंग के आधार पर देशवासियों के विभाजन में
   (ख) जाति के आधार पर देशवासियों के वर्गीकरण में
   (ग) भाषा एवं धर्म के आधार पर देश के बँटवारे में
   (घ) भिन्न वर्गों एवं जातियों की एकतस में

4. देश को एक बाग माना गया है क्योंकि यहाँ विविध प्रकार के -
   (क) फूल होते हैं
   (ख) तितलियाँ होती हैं
   (ग) मनुष्यता का स्वरुप संकीर्ण हो गया है
   (घ) भिन्न वर्गों एवं जातियों की एकता में

5. काव्यांश का संदेश है-
   (क) मनुष्यता की परिभाषा बदल गई है
   (ख) मनुष्यता संगठन में नहीं विघटन में देखी जाती है
   (ग) मनुष्यता का स्वरुप संकीर्ण हो गया है
   (घ) मनुष्यता संगठन में नहीं विघटन में देखी जाती है

खंड - 'ख'

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांक्ति पदों का परिचय दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) लखनऊ स्टेशन से गाडी छूट रही थी ।
   उत्तर : गाडी-संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(ख) खीरे की पनियाती फाँकें बहुत स्वादिष्ट थीं ।
   उत्तर : पनियाती-विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन।

(ग) तुम्हें भागवत ध्यान से पढ़नी चाहिए ।
   उत्तर : तुम्हें- सर्वनाम, मध्यमपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन।

(घ) बिसिमल्ला खाँ इस मंगलध्वनि के नायक थे ।
   उत्तर : बिसिमल्ला खाँ- संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, कर्ता।

(ङ) अरे, तुम भी आ गए !
   उत्तर : अरे- विस्मयादि बोधक, एकवचन, पुल्लिंग।

प्र. 6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) मैंने सुना है कि तुम अपनी कक्षा में प्रथम आए हो- वाक्य का प्रकार बताइए।

उत्तर : मिश्र वाक्य।

(ख) वह स्टेशन पहुँचा और हम वहाँ से चल दिए - यह किस प्रकार का वाक्य है ?

उत्तर : संयुक्त वाक्य।

(ग) उन्होंने जैसे ही शहनाई बजानी शुरु की, सब उसकी ध्वनि में मग्न हो गए-संयुक्त वाक्य में बदलिए।

उत्तर : संयुक्त वाक्य- उन्होंने शहनाई बजानी शुरु की और सब उसकी ध्वनि में मग्न हो गए।

(घ) मेरे पास एक किताब है जो बहुत रुचिकर है-सरल वाक्य में बदलिए।

उत्तर : सरल वाक्य- मेरे पास एक बहुत रुचिकर किताब है।

(ङ) वह बहुत विनम्र है और सर्वत्र सम्मान प्राप्त करती है-मिश्र वाक्य मे रुपान्तरित कीजिए।

उत्तर : वह सर्वत्र सम्मान प्राप्त करती है क्योंकि वह बहुत विनम्र है।

प्र. 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) मालिक झोली से सुर का फल निकालकर मेरी ओर उछालेगा-कर्मवाच्य में बदलिए।

उत्तर : मालिक द्वारा झोली से सुर का फल निकाल कर मेरी ओर उछाला जायेगा।

(ख) घायल होने के कारण वह उड़ नहीं पाया- भाववाच्य में बदलिए।

उत्तर : घायल होने के कारण उससे उड़ा नहीं गया।

(ग) मोहिनी क्षण भर के लिए भी शान्त नहीं बैठती है- भाववाच्य में बदलिए।

उत्तर : मोहिनी से क्षण भर के लिए भी शान्त नहीं बैठा जाता।

(घ) श्रध्दालु काशीवासियों द्वारा इस सभा का आयोजन किया जाता है- कर्तृवाच्य में बदलिए।

उत्तर : श्रध्दालु काशीवासी इस सभा का आयोजन करते हैं।

(ड) उन्होंने दोनों भाइयों को पढ़ाया-कर्मवाच्य में बदलिए।

उत्तर : उनके द्वारा दोनों भाइयों को पढ़ाया गया।

प्र. 8. निम्नाक्ति काव्यांशो में प्रयुक्त अलंकारो के नामों का उल्लेख कीजिए: 1 x 5 = 5

(क) क्यों सहे संसार हाहाकार।

उत्तर : अनुप्रास अलंकार

(ख) आँख लगती है तब आँख लगती ही नहीं।

उत्तर : यमक अलंकार

(ग) नील गगन-सा शान्त हृदय था हरे रहा।

उत्तर : उपमा अलंकार

(घ) नीरजनयन भावते जी के।

उत्तर : रुपक अलंकार

(ड) देखा यमुना का मृदुल हास।

उत्तर : मानवीकरण अलंकार

प्र.9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

उस समय तक हमारे परिवार में लड़की के विवाह के लिए अनिवार्य योग्यता थी-उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक। सन 44 में सुशीला ने यह योग्यता प्राप्त की और शादी कर कोलकाता चली गई। दोनों बडे भाई भी आगे पढाई के लिए बाहर चले गए। इन लोगों की छत्र-छाया के हटते ही पहली बार मुझे नए सिरे से अपने वजूद का एहसास हुआ। पिताजी का ध्यान भी पहली बार मुझ पर केन्द्रित हुआ। लड़कियों को जिस उम्र में स्कूली शिक्षा के साथ-साथ सुघड गृहिणी और कुशल पाक-शास्त्री बनने के नुस्खे जुटाए जाते थे,पिताजी का आग्रह रहता था कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ। रसोई को वे भटियारखाना कहते थे और उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था।

1. लड़की की वैवाहिक योग्यता से सिध्द होती है, उस परिवार की :

(क) स्वतंत्र विचारधारा

(ख) परम्परावादी मान्यता

(ग) पाश्चात्य विचारधारा

(घ) अत्याधुनिक सोच

2. बड़े-भाई के परिवार से जाने के बाद :
   (क) परिवार में लेखिका का महत्व बढ गया
   (ख) माता-पिता से अधिक प्यार मिलने लगा
   (ग) लेखिका को अपने अस्तित्व का बोध हुआ
   (घ) लेखिका को पाक-शास्त्र पढ़ाया जाने लगा

3. लेखिका के पाक-शास्त्री बनने के विषय में पिताजी का मानना था:
   (क) पाकक्रिया की कुशलता से लड़की सुघड़ गृहिणी बनती है
   (ख) विवाह के उपरान्त ससुराल में उसकी सराहना होजी है
   (ग) उसका गृहस्थ सदा सुखी और स्वस्थ रहता है
   (घ) रसोई के काम से लडकी की योग्यता और प्रतिमा कुंद हो जाती है

4. पिताजी का आग्रह था कि में रसोई से दूर ही रहूँ- वाक्य प्रकार है:
   (क) सरल
   (ख) संयुक्त
   (ग) मिश्र
   (घ) साधरण

5. इन लोगों की छत्रछाया हटते ही कथन में इन लोगों से तात्पर्य है :
   (क) क्षमता और प्रतिभा
   (ख) भाई-बहिन
   (ग) माता-पिता
   (घ) सखी-सहेली

अथवा

मसलन बिसिमल्ला खाँ की उम्र अभी 14 साल है! वही काशी है! वही पुराना बालाजी का मंदिर जहाँ बिस्मिला खाँ को नौबतखाने रियाज के लिए जाना पड़ता है! मगर एक रास्ता है बालाजी मंदिर तक जाने का! यह रास्ता रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर जाता है! इस रास्ते से अमीरुददीन को जाना अच्छा लगता है! इस रास्ते न जाने क्तिने तरह के बोल-बनाव, कभी ठुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा के मार्फत डयोढी तक पहुँचते रहते हैं! रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुददीन को खुशी मिलती है! अपने ढेरों साक्षात्कारों में बिस्मिला खाँ साहब ने स्वीकार किया है कि उन्हें अपने जीवन के आरम्भिक दिनों में संगीत के प्रति आसक्ति इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली है! एक प्रकार से उनकी अबोध उम्र में अनुभव की स्लेट पर संगीत प्रेरणा की वर्णमाला रसूलनबाई और बतूलनगाई ने उकेरी है!

1. बिस्मिला खाँ का मूल नाम है-
   (क) सादिक हुसैन
   (ख) शम्सुददीन
   (ग) <u>अमीरुददीन</u>
   (घ) अलीबख्श

2. बिसिमल्ला खाँ को बालाजी मनिदर जाने के लिए एक खास रास्ता ही क्यों पसंद था ?
   (क) वह रास्ता छोटा था
   (ख) उस रास्ते पर उनके मित्रों के घर थे
   (ग) <u>उस रास्ते पर दो बहिनों का गायन सुनने को मिलता था</u>
   (घ) उन्हें ठुमरी, टप्पा, दादरा पसंद था!

3. कैसे कहा जा सकता है कि उन्हें संगीत की प्रेरणा इन दोनों बहिनों से मिली ?
   (क) इनका गायन बहुत उत्कृष्ट था
   (ख) यह गायन प्राय: उन्हें सुनने को मिलता था
   (ग) इस गायन के प्रति आसक्ति को उन्होनें स्वीकार किया है
   (घ) इस गायन में एक विशेष मोहकता थी!

4. संगीत का रुप नहीं है-
   (क) शहनाई
   (ख) टप्पा
   (ग) ठुमरी
   (घ) दादरा

5. 'रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है'- वाक्य का प्रकार है -
   (क) सरल
   (ख) संयुक्त
   (ग) मिश्र
   (घ) साधरण

प्र. 10. स्त्री शिक्षा के विषय में आप महावीर प्रसाद द्विवेदी के विचारों से कहाँ तक सहमत है ? उचित तर्क देकर अपने विचारों की पुष्टि कीजिए : 4

उत्तर : श्री महावीर प्रसाद द्विवेदी स्त्री शिक्षा के समर्थक थे। जो लोग यह कहते हैं कि पुराने ज़माने में स्त्रियाँ नहीं पढ़ती थीं। वे या तो इतिहास से अनभिज्ञ हैं या फिर समाज के लोगों को धोखा देते हैं। वे कहते थे कि प्राचीन काल में भी स्त्रियों को शिक्षा दी जाती थी। वैदिक काल में गार्गी, मैत्रयी आदि स्त्री याँ विदुषी थीं। वे दार्शनिक

विषयों पर वाद-विवाद करती थीं। अनेक स्त्री यों ने श्रेष्ठ काव्य की रचना की है। समाज तथा परिवार की उन्नति के लिए स्त्रियों का शिक्षित होना अत्यन्त आवश्यक है। शिक्षित स्त्रियों को अपने अधिकारों का ज्ञान होता है। हम द्‌विवेदी जी के विचारों से पूर्णत: सहमत हैं। स्त्री तथा पुरुष दोनों ही एक समान हैं। समाज की उन्नति के लिए दोनों का सहयोग ज़रुरी है। ऐसे में स्त्रियों का कम महत्व समझना गलत है, इसे रोकना चाहिए। वर्तमान युग में स्त्रियों को शिक्षित होने के कारण महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। स्त्रियों उच्च पदों पर आसीन हैं। वे राजनीति में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर रही हैं। वे औद्‌योगिक संस्थानों की सर्वेसर्वा भी है। अत: नारी-शिक्षा के महत्व को स्वीकार न करना मूर्खता ही कहा जा सकता है।

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 3 = 6

(क) आप कैसे कह सकते हैं कि बिस्मिल्ला खाँ एक सच्चे और अच्छे इन्सान थे?

उत्तर : बिस्मिल्ला खाँ एक सच्चे इंसान थे। वह अपने परिवार तथा सहयोगियों के साथ रहते थे। वे धर्मों से अधिक मानवता को महत्व देते थे, हिंदु तथा मुस्लिम धर्म दोनों का ही सम्मान करते थे, भारत रत्न से सम्मानित होने पर भी उनमें घमंड नहीं था, दौलत से अधिक सुर उनके लिए ज़रुरी था।वह संगीत को भगवान मानते थे। उनमें अहंकार की भावना बिल्कुल नहीं थी। अत: कहा जा सकता है कि वह वास्तविक अर्थों में एक सच्चे इंसान थे।

(ख) आग के आविष्कार के पीछे मानव की कौन-सी प्रेरणा रही होगी अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : आग का आविष्कार अपने-आप में एक बहुत बड़ा अविष्कार हुआ होगा। क्योंकि उस समय मनुष्य में बुद्धि शक्ति का अधिक विकास नहीं हुआ था। समय की दृष्टि से यह बहुत बड़ी खोज थी। इस खोज के पीछे प्रेरणा के मुख्य स्रोत रहे होंगे-पेट की भूख को मिटाने की आवश्यकता तथा शीत से शरीर के बचाव की इच्छा।

(ग) देश की आजादी के संघर्ष में मन्नू भण्डारी की सक्रिय भागीदारी को लेकर पिताजी के साथ उनके टकराव की स्थिति को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : अपने सामर्थ्य के अनुरूप देशभक्ति करने वाला प्रत्येक व्यक्ति देशभक्त है। देश की आजादी के संघर्ष में मन्नू भंडारी सक्रिय थीं परन्तु उनके पिताजी चाहते थे कि वे घर और कालेज के अतिरिक्त कहीं न जाए। लेखिका कॉलेज के दिनों में विद्रोही स्वभाव वाली बन चुकी थी। देश की आजादी के लिए संघर्ष करने की भावना से वह प्रेरित हो चुकी थी।मन्नू भंडारी कालेज के छात्रों के साथ हड़ताल में सम्मिलित होती थीं तथा सरकार के विरोध में भाषण देती थीं। एक बार उन्होंने अजमेर के सबसे मुख्य चौराहे पर हजारों विद्यार्थियों के समक्ष धुआँधार भाषण दिया। उसके जोशीले भाषणों से युवा वर्ग प्रभावित रहता, जुलूस चलाती, उसकी गतिविधियों को देखकर लगता कि वह अंग्रेजों को भारत से निकालने के लिए कृतसंकल्प है।किसी व्यक्ति ने उनके पिताजी से इस बात की शिकायत की। पिताजी ने निर्णय किया कि वे अब मन्नू को घर से बाहर नहीं जानें देंगे परन्तु उनके एक अन्य मित्र के समझाने पर पिताजी ने अपना यह निर्णय रद्द कर दिया। वस्तुत: पिताजी अपनी

सामाजिक छवि के प्रति अत्यन्त सजग रहते थे। इस कारण उनका मन्नू से टकराव रहता था।

प्र. 12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी आति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रिय कुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महि देवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहु भुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

(क) काव्यांश में किसका किसके प्रति संबोधन है

उत्तर : इन पंक्तियों में परशुराम ने श्रीराम-लक्ष्मण को संबोधित किया है।

(ख) परशुराम की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : परशुराम अत्यन्त क्रोधी थे तथा वे क्षत्रियों के प्रबल शत्रु थे।

(ग) 'परशु' की क्या विशेषता थी लिखिए

उत्तर : परशुराम ने अपने परसु (परशु) से अनेक बार असंख्य क्षत्रियों का वध किया था तथा महान वीर सहस्त्रबाहू को भुजाविहीन किया था।

(घ) अलंकार बताइए-भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्हीं

उत्तर : अनुप्रास अलंकार।

(ड) आशय स्पष्ट कीजीए 'केवल मुनि जड जानाहि मोही।'

उत्तर : परशुराम ने कहा कि वे (श्रीराम-लक्ष्मण) उन्हें मुनि न समझें। वे तो मुनि वेश में एक महान योध्दा हैं।

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) माँ बिटिया को किस अवसर पर यह सीख दे रही है और क्यों ?

उत्तर : माँ कन्यादान के अवसर पर अपनी बेटी को यह सीख दे रही है। वह चाहती है कि उसकी बेटी उसके अनुभवों से शिक्षा ग्रहण करे तथा सशक्त नारी के रुप में जीवन व्यतीत करे।

(ख) बिटिया को चेहरे पर रीझने के लिए मना क्यों किया जा रहा है ?

उत्तर : बिटिया को कहा गया कि उसे सुन्दर चेहरे को अधिक महत्व नहीं देना चाहिए बल्कि मानवीय गुणों को अधिक महत्वपूर्ण समझना चाहिए।

(ग) आग के विषय में माँ के कथन का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर : माँ के कथन का अभिप्राय है कि उसकी बेटी को मानसिक रुप से अत्यधिक दृढ होना चाहिए। उसे याद रखना चाहिए कि अग्नि रोटी पकाने के लिए होती है, उसे विपरीत परिस्थितियों में जलने की बात कभी नहीं सोचनी चाहिए।

(घ) माँ ने आभूषणों को स्त्री जीवन के बंधन क्यों कहा है ?

उत्तर : माँ ने कहा कि सामान्य आभूषण स्त्री-जीवन का बंधन हैं। नारी के वास्तविक आभूषण तो उसके गुण हैं।

(ड) लड़की जैसी दिखाई मत देना कथन का आशय समझाइए।

उत्तर : माँ ने कहा की उसे कभी भी स्वयं को एक कमजोर लड़की के रुप में प्रदर्शित नहीं करना चाहिए। उसे मानसिकरुप से सदैव सशक्त और आत्मविश्वास से युक्त रहना चाहिए।

प्र.13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 5 = 10

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर श्रीराम के स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : श्रीराम अत्यन्त विनयशील तथा संयमी थे। वे अपने से बडी़ आयु के लोगों का सदैव सम्मान करते थे।

(ख) 'छाया मत छूना' कविता में दुख के क्या कारण बताए गए है ?

उत्तर : 'छाया मत छूना' कविता में कवि ने मानव की कामनाओं-लालसाओं के पीछे भागने की प्रवृतित को दुखदायी माना है क्योंकिं इसमें अतृप्ति के सिवाय कुछ नहीं मिलता। हम विगत स्मृतियों के सहारे नहीं जी सकते, हमें वर्तमान में जीना है। उन्हें छूकर याद करने से मन में दुख बढ़ जाता है। दुविधाग्रस्त मन:स्थिति व समयानुकूल आचरण न करने से भी जीवन में दुख आ सकता है।

(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को अंतिम पूँजी क्यों कहा है ?

उत्तर : माँ बेटी के सर्वाधिक निकट रहने वाली और उसके सुख-दुख की साथिन होती है। कन्यादान करते समय इस गहरे लगाव को वह महसूस कर रही है कि उसके जाने के बाद वह बिल्कुल खाली हो जाएगी। उसकी बेटी उसकी संचित पूँजी के समान है। जब इस पूँजी अर्थात बेटी का कन्यादान करेगी तो उसके पास कुछ नहीं बचेगा। इसलिए माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी लगती है।

(घ) 'संगतकार' कविता में संगतकार की मनुष्यता को कवि ने कैसे स्पष्ट किया है ?

उत्तर : संगतकार अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ऊँचा नहीं उठाता। जब मुख्य गायक गाते गाते थकान अनुभव करता है तो संगतकार उसे सहयोग देता है। यह उसकी मानवीयता है कि वह मुख्य गायक की श्रेष्ठता बनाए रखता है।

(ङ) दिखावा प्रधान आधुनिक समाज में क्या संगतकार जैसे व्यक्ति की कोई उपयोगिता है इस विषय में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर : आधुनिक युग में दिखावा प्रधान समाज में भी संगतकार की बहुत उपयोगिता है। नृत्य करने वाले कलाकारों को यदि वादययन्त्र बजाने वाले कलाकारों का सहयोग न मिले तो उनकी कला पूरी तरह से अभिव्यक्त नहीं होती। नृत्य, संगीत, फिल्म, नाटक आदि क्षेत्रों में संगतकार की भूमिका पर्याप्त महत्त्वपूर्ण होती है।

प्र. 14. साना साना हाथ जोडि पाठ में देश की सीमा पर तैनात फौजियों की चर्चा की गई है। लिखिए कि अपने उत्तरदायित्व के निर्वाह में सैनिक ईमानदारी, समर्पण, अनुशासन आदि जीवनमूल्यों का निर्वाह किस प्रकार करते है ? 4

उत्तर : साना साना हाथ जोडि पाठ में देश की सीमा पर तैनात फौजियों की चर्चा की गई है। वस्तुत: सैनिक अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह ईमानदारी, समर्पण तथा अनुशासन से करते है। सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा के लिए कटिबध्द रहते है। हमारे सैनिकों (फौजी) भाईयों को उन बर्फ से भरी ठंड में ठिठुरना पड़ता है। जहाँ पर तापमान शून्य से भी नीचे गिर जाता है। वहाँ नसों में खून को जमा देने वाली ठंड होती है। वह वहाँ सीमा की रक्षा के लिए तैनात रहते हैं और हम आराम से अपने घरों पर बैठे रहते हैं। वे

हमारे लिए अपने प्राणों का बलिदान करते हैं, एक सजग प्रहरी की तरह सीमा की रक्षा करते हैं। वे शत्रु से युध्द करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए भी तत्पर रहते हैं। प्राकृतिक आपदा के समय भी सैनिक लोगों के प्राणों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की चिन्ता नहीं करते। वस्तुत: हमारे देश के सैनिक हमारे लिए सर्वाधिक सम्मान के पात्र हैं।

प्र.15. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2 x 3 = 6

(क) मैं क्यों लिखता हूँ के लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

उत्तर : लेखक ने अपनी जापान यात्रा के दौरान हिरोशिमा का दौरा किया था। वह उस अस्पताल में भी गया जहाँ आज भी उस भयानक विस्फोट से पीड़ित लोगों का इलाज हो रहा था। इस अनुभव द्वारा लेखक को, उसका भोक्ता बनना स्वीकारा नहीं था ।कुछ दिन पश्चात् जब उसने उसी स्थान पर एक बड़े से जले पत्थर पर एक व्यक्ति की उजली छाया देखी, विस्फोट के समीप कोई व्यक्ति उस स्थान पर खड़ा रहा होगा। लेखक ने महसूस किया कि जब विस्फोट हुआ होगा तब रेडियोधर्मी किरणों के प्रभाव से उस समय वहीं से गुजर रहे उस व्यक्ति की कैसे जान गई होगी। हालंकि लेखक उस घटना के समय वहाँ उपस्थित नहीं था लेकिन उसने कल्पना और संवेदना के सहारे स्वयं को विस्फोट का भोक्ता अनुभव किया।

(ख) साना साना हाथ जोडि पाठ में प्रदूषण के कारण स्नोफाल की कमी का जिक्र है। प्रदूषण को नियंत्रित करने के किन्ही दो उपायों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : साना साना हाथ जोडि पाठ में स्पष्ट किया गया है कि प्रदुषण के कारण स्नोफाल में कमी आई है। हमें प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पहाडों पर विकास की गति धीमी करनी चाहिए।

नदियों के तट पर आवासीय भवनों एवं होटलों का निर्माण नहीं करना चाहिए। हम सबको मिलकर अधिक से अधिक पेड़ों को लगाना चाहिए। पेड़ों को काटने से रोकने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए ताकि वातावरण की शुद्धता बनी रहे।

(ग) भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में दुलारी और टन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार किया ?

उत्तर : हमारी स्वतंत्रता की लड़ाई में तथाकथित समाज के उपेक्षित वर्ग का भी भरपूर योगदान रहा है। इस कहानी में लेखक ने इसी वर्ग से आने वाले लोगों, जैसे-गायिकाओं तथा वेश्याओं आदि के योगदान को उभारा है। यदयापि यह वर्ग समाज की उपेक्षा का शिकार रहता है परंतु दुलारी के चरित्र के माध्यम से यह बताया गया है कि इस वर्ग ने भी अपने ढंग से लड़ाई में योगदान दिया। विदेशी वस्त्रों के बाहिष्कार हेतु चलाए जा रहे आन्दोलन में दुलारी ने अपना योगदान रेशमी साड़ी व फेंकू द्वारा दिए गए रेशमी साड़ी के बंडल को देकर दिया। बेशक वह प्रत्यक्ष रूप में आन्दोलन में भाग नहीं ले रही थी फिर भी अप्रत्यक्ष रूप से उसने अपना योगदान दिया था। टुन्नू ने स्वतन्त्रता संग्राम में एक सिपाही की तरह अपना योगदान दिया था। उसने रेशमी कुर्ता व टोपी के स्थान पर खादी के वस्त्र पहनना आरम्भ कर दिया। अंग्रेज विरोधी आन्दोलन में वह सक्रिय रूप से भाग लेने लग गया था और इसी सहभागिता के कारण उसे अपने प्राणों का बालिदान देना पड़ा।

(घ) साना साना हाथ जोडि यात्रा वृत्तान्त में वर्णित ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको बहुत प्रभावित किया हो।

उत्तर : साना साना हाथ जोडि यात्रा वृत्तांत में लेखिका के होठों को छूने लगी............. साना साना हाथ जोडि गर्दहु प्रार्थना। हाम्रो जीवन तिम्रो कौसेली (छोटे-छोटे हाथ जोडकर प्रार्थना कर रही हूँ कि मेरा सारा जीवन अच्छाइयों को समर्पित हो) लेखिका ने प्रार्थना के यह बोल एक नेपाली युवती से सीखे थे।

खंड - 'घ'

प्र. 16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) अविस्मरणीय घटना

- कब और कहाँ
- आपकी भूमिका
- आप पर प्रभाव

एक दिन की बात है, मैं और मेरा मित्र पाठशाला से घर लौट रहे थे। हमें सड़क पार करनी थी। मैं आगे था मैंने ठीक से सड़क पार कर ली परंतु तब तक सिग्नल हरा हो गया और वाहन तेज़ गति से आगे बढ़ने लगे। मेरे मित्र ने सड़क के दोनों ओर देखा ही नहीं और लापरवाही से सड़क पार करने लगा । कार चालाक ने बड़ा प्रयास किया कि मेरे मित्र को समय रहते सूचित किया जा सके परन्तु ऐसा नहीं हो पाया। कार चालाक ने मेरे मित्र को बचाने के प्रयास में कार को इधर.उधर घूमाने का प्रयास किया। इस प्रयास में उसकी कार हमारे विद्यालय के पास एक पेड़ से जा टकराई। इस टक्कर में कार चालक बुरी तरह घायल हो गया। उसे गंभीर चोटें आईं थीं। संयोग से पास ही अस्पताल होने के कारण कार चालक को चिकित्सा सुविधा समय रहते उपलब्ध करवाई जा सकी और उसकी जान बच गई। इस घटना ने मेरे होश उड़ा दिए। मेरे मित्र को भी बहुत ग्लानि का अनुभव हुआ। उस दिन के बाद मैंने सड़क पार करते हुए कभी

लापरवाही नहीं बरती। यह घटना मेरे लिए अविस्मरणीय घटना बन गई।

(ख) मेरे सपनों का जीवन

- महत्त्वाकांक्षा
- रुचि का महत्त्व
- लक्ष्य निर्धारण

इंसान का और सपने का एक अनूठा सम्बन्ध होता है। हर इंसान सपने देखता हैए पर वो उस सपने को पाने के लिए प्रयास नही करताए शायद वो ये सोचने लगता है कि उसका सपना टूट जाएगा। मैं भी सपना देखता हूँए और उसे पाने के लिए उस पथ पे चल चुका हूँ। मैं महान हॉकी खिलाड़ी बनना चाहता हूँ ,यहीं मेरा सपना है। इस लक्ष्य तक पहुँच ने के लिए मैंने बहुत पहले से प्रयास आरंभ कर दिया है। मेरे माता-पिता भी मुझे प्रेरणा देते है कि मैं आगे बढ़ूँ। उन्हों ने मेरी आठ वर्ष की आयु से ही हाकी की विशेष ट्रैनिंग दिला रहे है। आज मैं विभिन्न अंतर स्कूल प्रतियोगिता में खेलता हूँ। आगे मेहनत करकर मैं राष्ट्रीय स्तर पर खेलना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि इंसान यदि सच्ची लगन के साथ अपने सपने को पूरा करने में जूट जाए तो उसका सपना जरुर पूरा होगा। आखिर धीरू भाई अम्बानी ने भी तो सपना ही देखा था जिसे उन्होंने पूरा भी किया तो फ़िर हम क्यों नही देख सकते सपने।

(ग) ओलम्पिक खेलों में भारत

- खेलों का महत्त्व
- विजेता खिलाडी

भारत का स्थान ओलम्पिक खेलों (1896-2012) का इतिहास बहुत पुराना है। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन 1200 साल पूर्व योद्धा-खिलाड़ियों के बीच हुआ था। प्राचीन काल में यह ग्रीस यानी

यूनान की राजधानी एथेंस में 1896 में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक खेल अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली बहु-खेल प्रतियोगिता है। इन खेलोंमें भारत गोल्ड मेड्ल प्राप्त कर चूका है।भारत ओलम्पिक खेलों की पदक तालिका में 55 वें स्थान पर रहा। विश्व के प्राचीनतम अंतरराष्ट्रीय खेल समारोह ओलम्पिक का आयोजन 2012 का लंदन ओलम्पिक खेल 27 जुलाई से 12 अगस्त के बीच हुआ था। इस बार के लंदन ओलम्पिक में 26 खेलों में 204 देशों के लगभग 10500 खिलाडियों ने भाग लीया था। इस बार भारत ने ओलम्पिक में रजत, कांस्य पदक जीता था।विजय कुमार को शूटिंग में रजत, फ्री स्टाइल कुश्ती में रजत जीतने वाले सुशील कुमार, शूटिंग में गगन नारंग द्वारा कांस्य, महिला बॉक्सिंग में कांस्य जीतने वाली एम सी मेरीकॉम, योगेश्वर दत्त द्वारा कुश्ती में कास्य, और महिला बैडमिंटन सिंग्लस में 22 वर्षीया हैदराबाद की साइना नेहवाल कांस्य पदक जीता था।

प्र. 17. विदेश यात्रा में सभी प्रकार की व्यवस्था करने वाले मित्र के प्रति आभार की अभिव्यक्ति करते हुए एक पत्र लिखिए: 5

18-ए, राजमहल

दिल्ली

दिनांक 25 जून,2013

प्रिय मित्र अमर

नमस्कार

मैं आज सुबह अमेरिका से वापस लौट आया हूँ। इस विदेश यात्रा में यदि आपका अमूल्य सहयोग और मार्गदर्शन नहीं मिलता तो, यह यात्रा इतनी आरामदायक एवं यादगार नहीं बनती। आपने पासपोर्ट,वीज़ा बनवाने से लेकर मेरे रहने,खाने,घूमने व छोटी से छोटी आवश्यकताओं का बहुत अच्छे से ख्याल रखा।मैं उसके लिए आपका हृदय की सम्पूर्ण भावनाओं से आभार व्यक्त करता हूँ।

तुम्हारे माता-पिता को मेरा प्रणाम निवेदित करना।

तुम्हारा मित्र
नरेश वर्मा

अथवा

विद्यालय में दसवीं कक्षा की परीक्षा से पूर्व विभिन्न विषयों की अच्छी व्यवस्था करने के लिए प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का एक पत्र लिखिए।

प्रधानाचार्य महोदय
लोकमान्य विधा निकेतन
इन्दौर
दिनांक 25 जून,2013
महोदय

मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं की परीक्षा में बहुत अच्छे अंक प्राप्त हुए है। मेरी कक्षा के सारे विद्यार्थीयों कोभी बहुत अच्छे अंक मिले है। इसका श्रेय हमारे प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों को जाता है। आप सभी ने हमें समय-समय पर उचित मार्गदर्शन दिया। इसके लिए हम सभी छात्र आपके तथा सभी अध्यापकों के अत्यंत आभारी हैं।

सधन्यवाद
आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या
रमा मालू

Set -II

निम्न प्रश्नों के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्न Set -I में पूछे गए है!

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांक्ति पदों का परिचय दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) धन की <u>लालसा</u> उसे परेशान कर रही है ।

उत्तर : लालसा- भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग ।

(ख) <u>मैं</u> जब वहाँ पहुँचा तो वर्षा हो रही थी ।

उत्तर : मैं-उत्तमपुरुष वाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक ।

(ग) उसके अनेक मित्र वहाँ उपस्तिथ थे ।

उत्तर : अनेक- विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन ।

(घ) अहा! आज तो बढ़िया खाना मिलेगा ।

उत्तर : अहा- विस्मयादि बोधक अव्यय, हर्ष सूचक ।

(ङ) मैं जयपुर सवेरे पहुँचुँगा ।

उत्तर : सवेरे-काल वाचक क्रिया विशेषण, एकवचन ।

प्र.6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) मैं आपको फोन करुँगा या पत्र लिखूँ- वाक्य का प्रकार बताइए ।

उत्तर : संयुक्त वाक्य

(ख) वह सवेरे उठते ही नहा-धोकर मन्दिर चला जाता है- मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर : जैसे ही वह सवेरे उठता है, वैसे ही नहा-धोकर मन्दिर चला जाता है ।

(ग) वह कार तेजी से आकर खंभे से टकरा गई- संयुक्त वाक्य में बदलिए ।

उत्तर : वह कार तेजी से आई और खंभे से टकरा गई ।

(घ) वह बहुत प्रतिभाशाली है और पुरस्कार प्राप्त करके ही रहेगा-मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर : वह पुरस्कार प्राप्त करके ही रहेगा क्योंकि वह बहुत प्रतिभाशाली है ।

(ङ) मेरे पास एक तरकीब है जो आपकी समस्या का समाधान कर सकती है- सरल वाक्य में रुपान्तरित कीजिए ।

उत्तर : मेरे पास आपकी समस्या का समाधान करने के लिए एक तरकीब है ।

प्र.7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1 x 5 = 5

(क) वे बनाया हुआ रिश्ता तोड़ते नहीं थे- कर्म वाच्य में बदलिए ।

उत्तर : उसने बनाया हुआ रिश्ता तोडा़ नहीं जाता था ।

(ख) वह रो भी तो नहीं सकता है- भाव वाच्य में बदलिए ।

उत्तर : उससे रोया भी तो नहीं जाता ।

(ग) मेरे द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था- कर्तृवाच्य में बदलिए ।

उत्तर : मैंने बचपन में ही घोषित कर दिया था ।

(घ) नवाब साहब ने बहुत यत्न से खीरा काटा-कर्म वाच्य में बदलिए ।

उत्तर : नवाब साहब द्वारा बहुत यत्न से खीरा काटा गया ।

(ड) चोट के कारण वह बेचारा उठ भी नहीं सकता-भाव वाच्य बनाइए ।

उत्तर : चोट के कारण उस बेचारे से उठा भी नहीं जाता ।

प्र.8. निम्नंक्ति काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचान कर लिखिए : 1 x 5 = 5

(क) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल-थल में ।

उत्तर : अनुप्रास

(ख) बापू को कर नित दूर-दूर, हर बरस दिन आता है ।

उत्तर : पुनरुक्ति प्रकाश

(ग) निकल रही थी मर्म वेदना, करुणा विकल कहानी-सी ।

उत्तर : उपमा

(घ) ऊँचा होता ताड का वृक्ष, मानो छूने अंबरतल को ।

उत्तर : उत्प्रेक्षा

(ड) उसके बिखरे वैभव पर जब रोती थी उजियाली ।

उत्तर : मानवीकरण

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 3 = 6

(क) मन्नू भण्डारी के पिता के व्यक्तितत्व में संवेदनशीलता भी थी और अहंवादिता भी-उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

उत्तर : मन्नू भण्डारी के पिता के व्यक्तितत्व में संवेदनशीलता भी थी और अहंवादिता भी थी। वे समाज सुधार की भावना रखते थे इसलिए अपने घर पर आठ - दस विद्यार्थीयों को निशुल्क पढ़ाते थे। वह चाहते थे कि समाज में उनका सम्मान बना रहे। एक बार कॉलेज से प्रिंसिपल का पत्र आया कि लेखिका के पिताजी आकर मिलें और बताएँ की लेखिका की गतिविधियों के खिलाफ क्यों न अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये। पत्र पढ़कर पिताजी गुस्से से भन्नाते हुए कॉलेज गए। परंतु वहाँ से घर लौटे तो बहुत खुश थे। वे लेखिका के प्रशंसा करते हुए कहने लगे कि सारे कॉलेज की लड़कियों पर तेरा इतना रौब है की तुम्हारे एक इशारे पर वे क्लास छोड़कर मैदान में आ जाती हैं और नारे लगाने लगती हैं। यह उनकी अहं भावना दर्शाता है।

(ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध में उद्धृत भारत की सुशिक्षित स्त्रियों में से किन्हीं तीन के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर : महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध में प्राचीन काल की अनेक सुशिक्षित स्त्रियों का वर्णन किया है। सीता, शकुंतला, रुकमणी, आदि महिलाएँ इसका उदाहरण हैं। वेदों, पुराणों में इसका

प्रमाण भी मिलता है।अत्रि की पत्नी पत्नी-धर्म पर व्याख्यान देते समय घंटो पांडित्य प्रकट करती थी , गार्गी बड़े.बड़े ब्रह्मवादियों को हरा देती थी ,मंडन मिश्र की सहधर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दिए थे!

(ग) कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।

उत्तर : बिस्मिल्ला खाँ मिली जुली संस्कृति के प्रतीक थे। ईश्वर के प्रति उनके मन में अगाध भक्ति थी।मुस्लिम होने के बाद भी उन्होंने हिंदु धर्म का सम्मान किया तथा हिंदु-मुस्लिम एकता को कायम रखा।मुहर्रम के महीने में आठवी तारीख के दिन खाँ साहब खड़े होकर शहनाई बजाते थे व दालमंडी मे फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते जाते थे।इसी तरह इनकी श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है। वे जब भी काशी से बाहर रहते थे। तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते थे और उसी ओर शहनाई बजाते थे। वे अक्सर कहा करते थे कि काशी छोड़कर कहाँ जाए, गंगा मइया यहाँ, बाबा विश्वनाथ यहाँ, बालाजी का मंदिर यहाँ। मरते दम तक न यह शहनाई छूटेगी न काशी।

Set – III

निम्न प्रश्नों के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्न Set-I तथा Set-II में पूछे गए हैं।

प्रश्न.5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए: 1 x 5 = 5

(क) <u>हम</u> उस कस्बे से गुजरे थे।

उत्तर : हम - उत्तमपुरुष वाचक, सर्वनाम, पुल्लिंग, कर्ता, बहुवचन ।

(ख) <u>वसन्त</u> ऋतु सुहावनी होती है ।

उत्तर : वसन्त ऋतु- व्यक्तिवाचक, संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन ।

(ग) शहर पूरी तरह डूब गया है ।

उत्तर : पूरी तरह - क्रिया विशेषण रीतिवाचक, डूब गया है क्रिया का विशेषण ।

(घ) पानवाला खुशमिजाज आदमी था ।

उत्तर : खुशमिजाज - विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ङ) तुम सदा समय का सदुपयोग करते हो।

उत्तर : करते हो - क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन ।

प्र.6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) वह इस दौड़ में सफल नहीं होगा क्योंकि वह आलसी है - वाक्य का प्रकार बताइए ।

उत्तर : मिश्र वाक्य ।

(ख) तुम उस बाजार में जाना जहाँ पुस्तकें मिलती हैं - वाक्य का प्रकार लिखिए ।

उत्तर : मिश्र वाक्य ।

(ग) जो छात्र अनुशासित होते हैं वे सब अध्यापकों के प्रिय होते हैं - सरल वाक्य में रुपान्तरण कीजिए ।

उत्तर :अनुशासित छात्र सब अध्यापकों के प्रिय होते हैं ।

(घ) बेईमानी के पैसे से व्यक्ति में दुर्गुण पैदा हो ही जाते हैं - मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :जिसके पास बेईमानी के पैसे होते हैं, ऐसे व्यक्ति में दुर्गुण पैदा हो ही जाते हैं ।

(ड) नौकरानी आई । अपना काम किया । वह चली गई - संयुक्त वाक्य में बदलिए ।

उत्तर : नौकरानी ने आकर अपना काम किया और वह चली गई ।

प्र.7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) पान वाले ने यह रहस्य बता दिया - कर्मवाच्य में बदलिए ।

उत्तर : पान वाले द्वारा यह रहस्य बता दिया गया ।

(ख) यह कौम बिकने के मौके ढूँढती है - कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए ।

उत्तर : इस कौम द्वारा बिकने के मौके ढूँढे जाते हैं ।

(ग) आइए उस बेंच पर बैठें - भाववाच्य में बदलिए ।

उत्तर : आइए, उस बेंच पर बैठा जाए ।

(घ) उनसे संस्कृत नहीं बोली जाती थी - कर्मवाच्य में बदलिए ।

उत्तर : वे संस्कृत नहीं बोल सकते थे।

(ड) तुम सारी रात कैसे जागोगे? - भाववाच्य में बदलिए ।

उत्तर : तुम से सारी रात कैसे जागा जाएगा ।

प्र.8. निम्नांक्ति काव्यांशों में प्रयुक्त् अलंकारो को पहचानकर लिखिए : 1 x 5 = 5

(क) यवन को दिया दया का दान ।

उत्तर : अनुप्रास

(ख) निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है ।

उत्तर : उपमा

(ग) जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं ।
उत्तर : यमक

(घ) मैया मैं तो चन्द्र खिलौना लैहों ।
उत्तर : रुपक

(ड) देखूँ उसे मैं नित बार-बार, मानो मिला मित्र मुझे पुराना ।
उत्तर : उत्प्रेक्षा

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 3 = 6

(क) मन्नू भण्डारी के जीवन में शीला अग्रवाल के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर : मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व पर शीला अग्रवाल की साहित्यिक रुचि और उनकी संघर्षशीलता का व्यापक प्रभाव पड़ा। शीला अग्रवाल इनके कॉलेज की प्राध्यापिका थी। इन्होंने लेखिका के अंदर नारी शक्ति के भाव को जगाया। साहित्य के माध्यम से विचारों का नवीन धरातल अपनी शिष्या को प्रदान किया। पुस्तकों अथवा श्रेष्ठ साहित्य में अंतर करना सिखाया। शीला अग्रवाल ने राष्ट्र को मन्नू जैसी संवेदनशील साहित्यकार देकर पुरस्कृत किया।राजनैतिक परिवेश में लेखिका की सक्रिय भूमिका को प्रेरणा देने वाली - शीला अग्रवाल ही थी। लेखिका को उसकी क्षमता, प्रतिभा से परिचित करवा कर उन्होंने मन्नू में देशभक्ति का जुनून भर दिया।

(ख) संस्कृति पाठ के लेखक की दृष्टि में भूखे को भोजन देने वाले, श्रमिकों और पीडित मानवता के उद्धारक भी संस्कृत व्यक्ति हैं । इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं - स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर : संस्कृति पाठ के लेखक की दृष्टि में भूखे को भोजन देने वाले, श्रमिकों और पीडित मानवता के उद्धारक भी संस्कृत व्यक्ति हैं । मैं लेखक की इस बात से पूर्णत: सहमत हूँ- संस्कृति का अर्थ केवल आविष्कार करना नहीं है। यह आविष्कार जब मानव कल्याण की भावना से जुड़ जाता है, तो हम उसे संस्कृति कहते हैं। अत: सुसंस्कृत होने के लिए मनुष्य में मानवता के गुण होने चाहिए।उदाहरण -1 संसार के मज़दुरों को सुखी देखने के लिए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुख में बिता दिया। 2 सिद्धार्थ ने अपना घर केवल मानव कल्याण के लिए छोड़ दिया।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की ऐसी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिन्होंने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया है।

उत्तर : बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की निम्नलिखित बातें हमें प्रभावित करती हैं -

1 वे एक सीधे-सादे तथा सच्चे इंसान थे।

2 उनमें संगीत के प्रति सच्ची लगन तथा सच्चा प्रेम था।

3 भारत रत्न की उपाधि मिलने के बाद भी उनमें घमंड कभी नहीं आया।

4 वे अपनी मातृभूमि से सच्चा प्रेम करते थे।

5 ईश्वर के प्रति उनके मन में अगाध भक्ति थी।

6 मुस्लिम होने के बाद भी उन्होंने हिंदु धर्म का सम्मान किया तथा हिंदु-मुस्लिम एकता को कायम रखा।